## अब्दुलअज़ीज़ मंसूरी : संघर्ष, शिक्षा और साहित्य साधना की प्रेरक गाथा



**बाकानेर नि प्र।** अब्दुलअज़ीज मंसूरी का जन्म 4 जुलाई 1964 को मध्यप्रदेश के ग्राम बोरलाई जिला बड़वानी में हुआ। उनका बचपन ग्रामीण परिवेश और आर्थिक अभावों के बीच बीता। उस समय गाँवों में शिक्षा के संसाधन सीमित थे, किंतु उनके पिताश्री ने कठिन परिश्रम और मजदूरी करके अपने बच्चों की शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। उन्होंने धार्मिक एवं सांसारिक दोनों प्रकार की शिक्षा को समान महत्व दिया, जिसका प्रभाव अब्दुलअज़ीज मंसूरी के व्यक्तित्व और विचारों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। बाल्यकाल से ही उनमें अध्ययन और लेखन के प्रति विशेष रुचि थी। मात्र पंद्रह वर्ष की आयु में उनका पहला पत्र इंदौर के एक दैनिक समाचार पत्र में 'संपादक के नाम पत्र' के रूप में प्रकाशित हुआ। यह उनके साहित्यिक जीवन का पहला महत्वपूर्ण पड़ाव था। इस प्रकाशन ने उनके भीतर छिपी लेखकीय प्रतिभा को नई दिशा दी और यहीं से लेखन की वह यात्रा प्रारंभ हुई जो निरंतर आगे बढ़ती रही। समाज, शिक्षा, संस्कृति, नैतिक मूल्यों तथा जनहित से जुड़े विषयों पर उन्होंने निरंतर लेखन किया। उनकी लेखनी केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता, जागरूकता और उत्तरदायित्व का परिचायक है। उन्होंने अपने अनुभवों, संघर्षों और सामाजिक सरोकारों को लेखों, टिप्पणियों और विचारों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। अब्दुलअज़ीज मंसूरी का जीवन इस बात का प्रमाण है कि यदि व्यक्ति में सीखने की ललक, मेहनत करने का साहस और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण हो, तो सीमित संसाधन भी उसकी प्रगति में बाधा नहीं बन सकते। ग्रामीण परिवेश से निकलकर साहित्य और सामाजिक चिंतन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाना उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और कर्मनिष्ठा का परिणाम है। वर्तमान में 62 वर्ष की आयु में भी वे साहित्य, सामाजिक जागरूकता और जनहित के विषयों पर सक्रिय चिंतन एवं लेखन कर रहे हैं। उनका जीवन युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो यह संदेश देता है कि शिक्षा, परिश्रम और सकारात्मक सोच के बल पर व्यक्ति अपने सपनों को साकार कर सकता है। अब्दुलअज़ीज मंसूरी की जीवन-यात्रा संघर्ष से सफलता, अभाव से उपलब्धि और साधारणता से विशिष्टता तक की एक प्रेरणादायक कहानी है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

### पत्रकारिता और पत्रलेखन का स्वर्णिम अध्याय

अब्दुलअज़ीज मंसूरी का नाम बड़वानी जिले में केवल एक सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् के रूप में ही नहीं, बल्कि एक सशक्त पत्रकार, विचारक और पत्रलेखन आंदोलन के अग्रदूत के रूप में भी सम्मान के साथ लिया जाता है।

विशेष रूप से 1980 और 1990 के दशक में उनकी पत्रकारिता और पत्रलेखन गतिविधियाँ अपने उत्कर्ष पर थीं। उस दौर में जब संचार के आधुनिक साधन उपलब्ध नहीं थे, तब उनके पत्र समाज की समस्याओं, जनभावनाओं और रचनात्मक सुझावों को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने का माध्यम बने।

श्री मंसूरी के लेख, टिप्पणियाँ और पत्र न केवल मध्यप्रदेश के समाचार पत्रों में, बल्कि देश की प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में भी नियमित रूप से प्रकाशित होते रहे। दिल्ली, मुंबई और अन्य महानगरों से प्रकाशित लोकप्रिय पत्रिकाएँ– कारंट, ब्लिट्ज़, धर्मयुग, सरिता, माधुरी, मुक्ता, कादम्बिनी तथा अनेक राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्रों ने उनके लेखन को प्रमुखता से स्थान दिया।

उनके लेखों में सामाजिक सरोकार, शिक्षा, नैतिक मूल्य, साम्प्रदायिक सद्भाव और जनजागरण जैसे विषय प्रमुखता से उभरकर आते थे।

पत्रलेखन के क्षेत्र में उनकी असाधारण प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता मिली। वर्ष 1986 में इंदौर में आयोजित एक विशाल पत्रलेखन प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह में उन्हें प्रतिष्ठित 'अभिव्यक्ति -86 अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उस समय के देश के प्रख्यात पत्रकार एवं इंडियन एक्सप्रेस के संपादक, ह्रद्दु स्द्धशह्लद्धद्ध के करकमलों से प्राप्त हुआ।

यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन का गौरवपूर्ण क्षण थी, बल्कि बड़वानी जिले के लिए भी सम्मान का विषय बनी।

पत्रकारिता को केवल लेखन तक सीमित न रखते हुए श्री मंसूरी ने इसे जनजागरण का माध्यम बनाया। उन्होंने 1990 के दशक में बड़वानी में अनेक पत्रकारिता, साहित्य और सामाजिक चेतना से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन आयोजनों में देश के प्रतिष्ठित पत्रकारों, लेखकों और चिंतकों को आमंत्रित कर व्याख्यान, परिचर्चाएँ और संवाद कार्यक्रम आयोजित कराए गए।

उनके प्रयासों ने स्थानीय युवाओं में लेखन, पत्रकारिता और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति नई चेतना का संचार किया।

श्री मंसूरी का मानना था कि कलम केवल अभिव्यक्ति का साधन नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। यही कारण है कि उनका लेखन आज भी सामाजिक सरोकारों, वैचारिक प्रतिबद्धता और जनहित के प्रति समर्पण का जीवंत दस्तावेज माना जाता है।

पत्रकारिता और पत्रलेखन के क्षेत्र में उनका योगदान बड़वानी की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा देता रहेगा।

'नब्बे के दशक में उनका चयन भारत के अग्रणी बैंक स्द्धद्वह्लद्ध ह्लद्दुह्य श्रद्ध द्बुह्यस्रद्धद्ब में हुआ। बैंकिंग सेवा से जुड़ने के पश्चात उन्होंने लगभग तीन दशकों तक समर्पण, निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। अपने निष्कलंक आचरण, कर्मनिष्ठा और उत्कृष्ट कार्यशैली के बल पर उन्होंने संस्थान में एक विशिष्ट पहचान बनाई। वर्ष 2024 में वे गौरवपूर्ण सेवाकाल पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए, किंतु उनकी कार्यनिष्ठा और सादगी आज भी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। '

'मिज़वत व्यवहार, आत्मीयता और स्नेहिल व्यक्तित्व के कारण उनके मित्रों ने उन्हें 'दोस्त' की उपाधि दी। समय के साथ यह संबोधन उनकी स्थायी पहचान बन गया और वे पत्रकारिता के क्षेत्र में 'अब्दुल अज़ीज मंसूरी दोस्त' नाम से विख्यात हुए। '

## विश्व धरोहर सप्ताह के तहत इंदौर से बाइकर्स पहुंचे मांडू, ऐतिहासिक स्मारकों का किया भ्रमण

**धार।** विश्व धरोहर सप्ताह के तहत रविवार को मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के आयोजन 'सफरनामा-हिंदुस्तान का दिल देखो' के अंतर्गत इंदौर से बाइकर्स रैली मांडू पहुंची। मह राइडर्स क्लब एसोसिएशन की सहभागिता से आयोजित इस बाइकिंग गतिविधि में करीब 25 बाइकर्स शामिल हुए। दल ने मांडू के विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों और स्थापत्य धरोहरों का भ्रमण कर उनके इतिहास व सांस्कृतिक महत्व को जाना। मांडू की ऐतिहासिक धरोहरें यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में अस्थायी (टेंटेटिव) सूची में शामिल हैं।

बाइकर्स दल सुबह 6 बजे इंदौर से रवाना हुआ। दल ने सोनगढ़ किले और नीलकंठेश्वर मंदिर सहित आसपास के ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन किया। इसके बाद मांडू पहुंचकर तारापुर गेट, श्री गुंबद मस्जिद, 56 महल, लोहानी गुफाएं, जहाज महल, दाई का महल, जाली महल, बाज बहादुर महल और रानी रूपमती महल सहित विभिन्न धरोहरों का भ्रमण किया।

### कुक्षी में जयस का दीपावली मिलन एवं नवनियुक्त कार्यकारिणी सम्मान समारोह संपन्न

# युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने तथा ग्रामीण स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने की बनी रणनीति

**ईफ़राज कुरैशी, कुक्षी।**

जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) मध्यप्रदेश के प्रदेश स्तरीय महाभियान के अंतर्गत दीपावली मिलन समारोह एवं नवनियुक्त कार्यकारिणी सम्मान समारोह का भव्य आयोजन कुक्षी में किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी समाज के सैकड़ों युवाओं एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाया।





कार्यक्रम का नेतृत्व जयस मध्यप्रदेश के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री रविराज बघेल ने किया। धार जिले में इस अभियान को धरातल पर उतारने एवं आयोजन को सफल बनाने में जयस जिला उपाध्यक्ष श्री रमेश मंडलोई की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना, रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसरों से जोड़ना तथा ग्रामीण और वृद्ध स्तर तक संगठन को मजबूत करना रहा। इस दौरान अनुभवी व्यक्तियों एवं युवाओं के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया गया कि किस प्रकार स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर विकसित किए जाएं, युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जाए तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाए।

समारोह के दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। साथ ही आदिवासी समाज के महान क्रांतिकारियों एवं महापुरुषों को माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित अतिथियों ने संगठन की आगामी कार्ययोजना, सामाजिक जागरूकता, युवाओं की भागीदारी और समाजहित के विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखे।

जयस मध्यप्रदेश द्वारा संचालित प्रदेश स्तरीय महाभियान के अनुरूप ग्रामीण एवं बूथ स्तर पर मजबूत संगठनात्मक टीम तैयार करने, अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा आदिवासी समाज के शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, संवैधानिक अधिकार एवं सामाजिक विकास से जुड़े विषयों पर सक्रिय भूमिका निभाने की रणनीति पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री रविराज बघेल ने युवाओं को संगठित होकर शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक मजबूती तभी संभव है, जब गांव-गांव तक युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो और समाज का प्रत्येक युवा आर्थिक एवं सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़े।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री रविराज बघेल (प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, जयस मध्यप्रदेश), श्री अनिल सोलंकी (नवनियुक्त जयस डही संरक्षक), श्री विजय मंडलोई (जयस डही प्रभारी), श्री प्रवीण गवली (कुक्षी नगर अध्यक्ष), श्री रवि पटेल (कुक्षी नगर उपाध्यक्ष), श्री सुनील जमरा (जयस तहसील सचिव, डही), श्री लोकेश पांचाल (निसरपुर ब्लॉक अध्यक्ष), श्री सौरभ पटेल, श्री हरिओम डोडवा, श्री लक्ष्मण ऐणके, श्री रितेश कोचले सहित बड़ी संख्या में जयस के युवा साथी उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं समाज के गणमान्य नागरिकों की ओर से श्री राजू पाटीदार, डॉ. निर्मल कुमार पाटीदार, श्री हीरा मंडलोई, श्री पवन पाटीदार, श्री मोहन प्रजापत, अधिवक्ता श्री राजेंद्र गुप्ता, श्री शरद हार्डिया, श्री अमित शर्मा, श्री अमित प्रजापत, श्री हरिओम पाटीदार, श्री सचिन, श्री लोकेश पांचाल, श्री लोकेश गुलजार, श्री रवि सोलंकी सहित अन्य सामाजिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का सफल संचालन जयस जिला उपाध्यक्ष श्री रमेश मंडलोई द्वारा किया गया। समारोह का समापन संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने और आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

# वन्दे मातरम भाव जागरण अभियान 26 नवम्बर तक

### 26 नवम्बर को सामूहिक राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के गायन हेतु आह्वान

**कुक्षी (ईफ़राज कुरैशी)।**

वन्दे मातरम भाव जागरण अभियान अन्तर्गत कुक्षी क्षेत्र की समस्त शासकीय व अशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं में 18 नवम्बर से 26 नवम्बर 2026 संविधान दिवस तक प्रतिदिन प्रार्थना सभा में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के सम्पूर्ण 6 पदों का सस्वर गायन करने का आव्हान किया गया है । देवउठनी एकादशी 20 व 21 नवम्बर 2026 शुक्रवार को वन्दे मातरम भाव जागरण अभियान अन्तर्गत सनातन संस्कृति का पालन करने वाले परिवारों के द्वारा अपने अपने घर के आंगन में राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत रंगोली अथवा पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन पर आधारित रंगोली बनाई गई । अभियान की जानकारी व आगामी रूपरेखा की सफलता हेतु राष्ट्रीय भावना जगाने प्रेरणा दूतों के रूप में 22 नवम्बर 2026 को शारदा मन्दिर वाचनालय में दोपहर 12 बजे



प्रजातंत्र के चौथे स्तम्भ पत्रकार बंधुओं से वार्ता का आयोजन रखकर जानकारी दी गई । अभियान के तहत संविधान दिवस 26 नवम्बर 2026 को सरस्वती शिशु मंदिर कुक्षी के प्रांगण में वन्देमातरम राष्ट्रगीत का सामूहिक सस्वर गायन प्रातः 10 बजे किया जावेगा जिसमें कुक्षी क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों सहित विभिन्न स्वयं सेवी संगठनों , समाज बंधुओं , निजी व शासकीय शैक्षणिक संस्थाओं के बच्चों व शिक्षकों तथा नगर के शासकीय व अशासकीय कार्यालयों के अधिकारियों व कर्मचारियों से सामूहिक राष्ट्र गीत कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया गया है । अभियान अन्तर्गत राष्ट्र प्रेम की भावना को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए संध्या समय में अपने घरों के बाहर अपनी श्रद्धा भावना के अनुरूप दीप प्रज्ज्वलित कर अपनी देशभक्ति की भावना को और भी अधिक प्रबलता प्रदान करने का अनुरोध किया गया है ।। वन्दे मातरम भाव जागरण अभियान कुक्षी के लिए मनोज साहु को संयोजक व प्रवक्ता का दायित्व सौंपा गया है । सह संयोजक नरेन्द्र सिर्वी, अखिलेश राठौड़ , जितेन्द्र बिड़ , राकेश पाटीदार , दिलीप सोलंकी , कन्हैयालाल पाटीदार , सचिव डॉ.कल्याणसिंह सोलंकी , सहसचिव श्यामसुंदर गुप्ता व प्रतापसिंह अलावा , मीडिया प्रभारी मोनेश जैन कोठारी , प्रेस प्रभारी मनीष भावसार , योजना प्रभारी भूपेन्द्र वर्मा , गायन प्रभारी अनिल पाण्डेय , समिति सदस्य सोहन बृजवासी , कमलेश परसाई , अश्विन पाटीदार , रविन्द्र भायल , अशोक गुप्ता , बृजेश पाण्डेय , मनोज पाण्डेय , जयगोपाल पाटीदार , अरविन्द ठाकुर , दिलीप पाटीदार , अनिल गुप्ता , श्रीमती पद्मिनी चव्हाण , नरेन्द्र सिसौदिया , सुनील वर्मा , जयंतीलाल पाटीदार , राजेन्द्र गुप्ता , विजय मुलेवा , जितेन्द्र भावसार , रविन्द्र जैन बनाए गए हैं ।विभिन्न दायित्वों को सौंपने प्रचार प्रसार , विद्यालय सम्पर्क , सामाजिक व धार्मिक विभिन्न संस्थाओं व संगठनों से सम्पर्क हेतु समितियों का गठन किया गया है ।

## धार में प्रतिबंधित नायलॉन मांझे का कहर, 13 वर्षीय छात्र की गर्दन कटी

**धार।** शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में प्रतिबंधित नायलॉन मांझे की बिक्री और उपयोग पर रोक के बावजूद इसके इस्तेमाल के मामले सामने आने लगे हैं। रविवार दोपहर डाबरी क्षेत्र में नायलॉन मांझे की चपेट में आने से 13 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मांझे से उसकी गर्दन पर गहरा कट लग गया, जिसके चलते अस्पताल में डॉक्टरों को पांच टांके लगाने पड़े। गनीमत रही कि समय रहते उपचार मिलने से बालक की जान बच गई। फिलहाल उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, 13 वर्षीय अल्तमश रविवार दोपहर करीब 12 बजे अपनी दादी और छोटे भाई के साथ बंदी छोड़ बाबा के दर्शन करने जा रहा था।

## ई-दक्ष केंद्र धार में दो दिवसीय 'कर्तव्य कर्मयोगी' मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण आयोजित हुआ

**धार।** कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अखिलेश कुमार जैन के निर्देश अनुसार ई-दक्ष केंद्र, धार में 'कर्तव्य कर्मयोगी कार्यक्रम' के अंतर्गत दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में धार जिले के धार, तिरला एवं नालछा विकासखंडों से आए विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को कर्तव्य कर्मयोगी कार्यक्रम की अवधारणा, उद्देश्यों एवं कार्यप्रणाली से अवगत कराना तथा उन्हें मास्टर ट्रेनर के रूप में दक्ष बनाना रहा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कर्तव्यनिष्ठा, कार्य के प्रति समर्पण, सकारात्मक दृष्टिकोण, नैतिक मूल्यों, सुशासन एवं शासकीय दायित्वों के प्रभावी निर्वहन से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की गई।

## भाजपा के शेष चार जिला पदाधिकारी की घोषणा हुई

### जितेंद्र जाट जिला महामंत्री व विक्रम पटेल उपाध्यक्ष बने

**धार।** भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल व प्रदेश संगठन महामंत्री श्री चंद्रशेखर की अनुमति एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष तथा इंदौर संभाग प्रभारी श्री रणवीर सिंह रावत व भाजपा जिला प्रभारी श्री सुभाष कोठारी की सहमति से भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने शेष बचे चार जिला पदाधिकारी की घोषणा की।



भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि शेष नवीन पदाधिकारी में भाजपा जिला महामंत्री के रूप में जितेंद्र जाट भाजपा जिला उपाध्यक्ष विक्रम पटेल तथा जिला मंत्री अंकित भावसार व जिला मंत्री पिंकी करोले को बनाया गया है। नवीन पदाधिकारी बनने पर भाजपा वरिष्ठ नेता व जनप्रतिनिधियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।









# गीत गुंजन म्यूजिकल ग्रुप की संगीतमय शाम में सजे सुरों के रंग

### कलाकारों ने दी एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां, ठंडी हवाओं के बीच देर रात तक संगीत का आनंद लेते रहे श्रोता

**निसरपुर (विशाल गुप्ता)।**

गीत गुंजन म्यूजिकल ग्रुप द्वारा एक शाम सुरीले गीतों की महफिल का भव्य आयोजन शनिवार को ओपन मार्केट निसरपुर किया गया। संगीत से सजी इस शाम में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रोताओं का मन मोह लिया।

सुरीले नगमों और मधुर संगीत की धुनों से पूरा माहौल संगीतमय हो गया। ठंडी हवाओं के बीच भी संगीत प्रेमियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। श्रोता देर रात तक कार्यक्रम में डटे रहे और गीतों का आनंद लेते रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां वीणा वादिनी मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया। इसके बाद संगीत की महफिल का सिलसिला शुरू हुआ। म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने अपनी सुरीली आवाज और शानदार गायकी से पुराने सदाबहार गीतों सहित विभिन्न लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियां दीं। प्रत्येक प्रस्तुति पर श्रोताओं ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कलाकारों ने अपनी गायकी और संगीत की जुगलबंदी से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री वीरेंद्र बघेल, पत्रकार शैलेंद्र लड्ढा, प्रदीप एच. पाटीदार, जनपद सदस्य उर्मिला पाटीदार एवं उपसरपंच वंदना पाटीदार उपस्थित रहे। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक और संगीत के कार्यक्रम स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ ही क्षेत्र में कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्वागत किया गया। संगीत की मधुर प्रस्तुतियों के बीच श्रोताओं ने गीतों की फरमाइश भी की। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से हर उम्र के संगीत प्रेमियों को बांधे रखा।

कार्यक्रम में पधारे अतिथियों एवं गायक गायिकाओं का ग्राम पंचायत निसरपुर सरपंच अंतिम पटेल एवं समस्त पंचों द्वारा शील्ड प्रदान कर सम्मान किया गया व प्रवीण श्रीवास बड़वानी द्वारा साल से सम्मानित किया गया। व कुछ प्रस्तुतियों पर रोहित जैन मित्र मंडली द्वारा नगद राशि से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन सुबोध जोशी ने किया। देर रात तक चली इस सुरीली संगीतमय महफिल ने उपस्थित लोगों के मन में यादगार छाप छोड़ी। इस अवसर पर समिति सदस्य एवं बाहर से पधारे गायक गायिका सरपंच अंतिम पटेल मुकेश श्रीवास रमेश खैरिया राजेंद्र पाटीदार मंगेश कानपुरे महेंद्र कामदार विनोद कुमावत सीताराम पाटीदार जगदीश पाटीदार विशाल गुप्ता आशीष कुमरावत होजेफा बोहरा जोगेंद्र सोलंकी विनोद पाटीदार धनराज तेलंगे वीरेंद्र मंडलोई सचिन पाटीदार दीपक मांगरोलिया आलोक मंडलोई ओमप्रकाश कौशिक दुर्गेश कन्नौज लोकेश मांगरोलिया शारदा पाटीदार भवरीया रोशनी पहलवान खंडवा राकेश सोलंकी अशोक राठौड़ सुनीता शुक्ला मालती राजपूत गीता मेश्राम बड़वानी सुनील परमार बोरलाय राकेश अत्रे हामिद खान सिंघाना प्रेम राठौर जुलवानिया अभिषेक मालवीय अंजड़ सहित नगरवासियों का सहयोग मिला।